



धारा 2 की धारा 2 को 22 की
 धारा 90 को 99 को से किंग एण्ड
 में नाम दर्ज नहीं है।

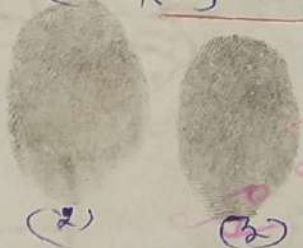
प्रमाणित किया जा रहा है कि कुछ
 केवल एक डिडलीफक प्रति दोनों
 एक दूसरे की डूकडू औसतनी
 प्रतिनिधि है।

यह केवल नौक पन्ना में लिखा
 गया है।

कारिक की गवाह श्रीमल्लभारी स्वरूपक
 धार सिंह राजपुत्र, आ नं 62/2002 अक्षरक
 अक्षरक 3 को मोर को अक्षरक
 का पंखे इतना क्या यह सेना में अक्षरक
 अक्षरक अक्षरक को धार कक्ष
 आ 92/21 2002 है

(1) बासदेव महतो 9-11-02

(2) केशु महतो 9-11-02



कि सादेन महतो को संतोष महतो
 का गेरा कुमार सभी नेलाकुमार
 मोर मेर सांगले धार अक्षरक
 9-11-02



कुछ भी बनी जिसे केशवदायी
गंगा के नदीं बहा न हाजल दिग
शब्दल वरुनी रसीड के रडी।

इसलिए ऊपेक-ऊपेक

खुशी से बिहल जल निरख देमा
तो समस पर काम ऊपेक मोठ
इजादीबाग। आज ता १८/१२/२००२ ई

बुधामेव म दल
१८/१२/०२

१८/१२/०२

मि सधेन घटती वो संतोष
घटती कबकेम सुमार वही
नेम सुमार मोरे सारके
दोप बगामा
१८/१२/०२



के स्वीरीरग में नाम अपना
 रज कमा का सरकारी रसीद अपन
 नाम का हासिल किया जो कि
उपरोक्त सम्पत्ति हर बार देन से पाक
 के साथ है किसी किसीक
 बार देन पाया जाते है उसका
देनदार लिखनागरी गण में
 वरीशान है के होंगे के जो
 एक एक काज तक उपरोक्त
 सम्पत्ति पर या के एक एक
 एक सुपर होकर लिखनागरी
 गण में वरीशान का दुवा
 के परसमन का कपना लमा
 कमाक वरुत पाया खर मोहर

बासेद महे
 केके सु महे
 9-11-2022



निम सहेद महे को संतोष महे को नो
 गुणर सही केला केकर भेद के साक
 21-11-2022



विवरण

मैं कैरल नगरी गंगा को वास्तविक रूप
 देना महानगर के रूप में काजकारी
 पर गंगा है इस लिए वास्तविक
 परसमन ३० मुद्राधिकार वाला
 बदल कैरल नगरी गंगा से
 प्राप्त किए हुए मैं उपरोक्त
 सम्पत्ति देना का इच्छुक था
 गंगा का भाई कि उपरोक्त
 सम्पत्ति पर कैरल नगरी गंगा
 का नाम काविल के दरखत
 होकर का रद्द कर जोर जोड़
 मैं का उपज अपने मंगल
 मैं लिये का इच्छुक मामिल

वास्तविक गंगा
 वास्तविक गंगा
 वास्तविक गंगा
 कि सहेन प्रती मैं विशेष प्रतीक के
 गुणर सही देना के लिए जोर जोड़
 वास्तविक गंगा



पितामह लेशमनारी माहम काविज
 को इस्लामकार यके आगे को जोर
 मोड़ करके उपज अपने मोगमे
 लामे को दारिमल खारिज कराया
 सरकारी रसीद अपने नाम से
 दारिमल करके यके आगे जिसका
 रसीद नम्बर 869352 सन 18-1932
 का 22/11 1932 है को बाइ लोन
 अपने पिता के लेशमनारी गण
 उपरोक्त सम्पति पर माहम काविज
 को इस्लामकार यके आगे है को
 है को अपने एक हिस्सा का
 जमीन साथ लेशमनारी गण
 के बिक्री करके है सब रजिस्ट्री
 को डीस्ट्रीक रजिस्ट्री को पिता
 दजारीवाग लोन को रखा

लेशमनारी गण 22/11/32

को के 2, महेले 22/11/32



जिसे सादेन फरतो को बताने फरती कल्लर
 कुमार सही लेखा के मार मार फिरे सा 1932
 1914-1917 गण 22/11/32

Witness
 Chandee P.P.
 Kusurba
 P.P. 14. 1932
 19/11/32



सम्पत्ति:- गवाजी 96 सहरह डीसरीला

जमीन ध्यान रवेर इमीनर ईमरी

काएमी काले मोजा कौगावार वाता

माण्डू वाता नम्बर 922 अन्डर

खाना नम्बर 926 एक सौ एमीन

जो उपरोक्त खाना का जमीन

नौबतकारी गण के पिना के

अनरिद खरीदगी केवाला वना

22।2।26 ईच नविसने डुरवी महेला

वन्ड समौप्य महेला साकीन

कौगावार वाता माण्डू से दसिन

ई जिसका एक नम्बर 9 मीनूम

9ई जेज 820से 822 डीडनम्बर

9869 सन 9ई26 ईच ई खरीदवल

वासदेव महेला

7ची2।02

केश महेला

7ची2।02

वासदेव:-

Morsh Munger

मिहरीचण्ड सिंहासदेव महेला के संतोष महेला महेला
 कुंगर सही केस कुंगर महेला महेला महेला
 19।।।02



लेश्वरप्रदायी: - (1) श्री नारायण महतो
 (2) श्री विष्णु महतो

दोनों के पिता का नाम स्वर्गीय
 महादेव महतो जाति कोइरी पैसेदार
 गृहस्थी निवास स्वाम ओजाबोंगावा
 धागा भाउ प्रगण जगेसर जिला
 डजारीबाग।

का रकम महतो
 9/12/02
 को गुरु महतो
 9/12/02

लेश्वरप्रकार: - विक्रम पत्र (कैवल)
 कैवल कलामी

मूल्य: - मौवलग 96000/सबरेह
 डजार कपमा

मासिक: - भारवजु सरकार कंयल
 भाउ

सांगने भाग: - कैवल 29 पैसा कलामि
 शेष

मि साहेब महतो ने संतोष महतो को
 1000 रु की रकम उभार कर मेरे सामने
 हाथ लगाया 9/12/02

2815
Sale 17000/- Pd (9) Ar 17 Dec

2785 1000Rs.



28
19/2

46850/-
23

Manda st 1430/-

ACR 340-00
NAY 27-00
Chisaf 2-50
@16 1-00

370-50

19/2
19/2/02

- लेशमकारी: (9) श्री वासुदेव महरो
- ✓ (2) श्री सहदेव महरो
 - ✓ (3) श्री संतोष महरो
 - ✓ (4) श्री केशु महरो

शुद्धी वासुदेव महरो मं. 16/02
सहदेव महरो मं. 16/02
संतोष महरो मं. 16/02
केशु महरो मं. 16/02

(4)

यारो के पिता का नाम स्वर्गीय
रामप्रसाद महरो जाति कोइरी
पेसैदारान गृहस्थी निवास स्थान
औजा दिगवारु ग्रामा माण्डू प्रगना
जौंसर जिला इजारीकाग।



(2) श्री सहदेव महरो
(3) श्री संतोष महरो
(4) श्री केशु महरो

किंरहदेव महरो को संतोष महरो के साथ
कुमार बाई देवी कुमर सिंह मेरे साथ
दायं बगल 16/02/02